क्या आपके हाथ साफ हैं?

क्या आप जानती हैं कि आपकी हथेलियों में पूरा एक चिड़ियाघर बसा हुआ है? मानव त्वचा के डीएनए के नमूने संकलित कर उनका अध्ययन करने पर यह पता चला कि यद्यपि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज़्यादा बार हाथ साफ करती हैं इसके बावजूद उनकी हथेलियां अधिक संख्या में और अलग-अलग प्रकार के बैक्टीरिया से भरी होती हैं।

कोलेरैडो विश्वविद्यालय के नाते फिएरर और उनके सहयोगियों ने विश्वविद्यालय से परीक्षा देकर लौट रहे 51 विद्यार्थियों की हथेलियों का अध्ययन किया। जब उन्होंने इससे प्राप्त डीएनए का क्रम देखा तो लगभग 4742 प्रजाति के बैक्टीरिया के संकेत मिले, जो पूर्व अध्ययन से लगभग 100 गुना थे। औसतन प्रत्येक विद्यार्थी में 150 अलग-अलग प्रजातियों के बैक्टीरिया पाए गए। महिलाओं की हथेलियों में पुरुषों की अपेक्षा अधिक संख्या और प्रजाति के बैक्टीरिया पाए गए।

टीम ने ऐसे आठ व्यक्तियों के हाथ से प्राप्त बैक्टीरिया के नमूने एकत्रित किए जो हाथ धो चुके थे। टीम ने पाया कि कुछ बैक्टीरिया साफ हाथों में रहना ज़्यादा पसंद करते हैं जबकि बाकी थोड़ी देर के बाद धीरे-धीरे आते हैं। यह देखा गया कि पुरुषों में बैक्टीरिया की सिर्फ कुछ प्रजातियां ही पाई जाती हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि ऐसा पुरुषों की अधिक अम्लीय त्वचा के कारण होता है। प्रकृति में ऐसा देखा गया है कि अधिक अम्लीय वातावरण में कम जैविक विविधता पाई जाती हैं।

यह बात आश्चर्यजनक थी कि जैव विविधता के मामले में प्रत्येक हाथ एक दूसरे से अलग था और केवल 5 प्रजातियां ही सबके हाथों में पाई गईं। यहां तक की एक ही व्यक्ति के दो हाथों में भी सिर्फ 13 प्रतिशत प्रजातियां ही समान होती हैं। फिएरर का कहना है कि इसी विविधता के आधार पर यह बतलाना संभव है कि किसी वस्तु को किस खास व्यक्ति ने छुआ है। ***(स्रोत फीचर्स)***